Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Poetry Poster Exhibition

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 10-08-2022**

हकेवि में 8 दिवसीय कविता पोस्टर प्रदर्शनी की हुई शुरूआत

■ 15 अगस्त तक चलेगी प्रदर्शनी

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी विभाग की साहित्य समिति के तत्वावधान में अमित मनोज की आठ दिवसीय कविता पोस्टर प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आमजन को जागरूक करने में कविता की भूमिका अहम है। यह कार्यक्रम आजादी के अमृत महोत्सव में आयोजित सभी कार्यक्रमों से अलग है।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वाधीनता संग्राम और कविता विषय पर आयोजित इस कविता पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कुलपति ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में स्वतंत्रता सेनानियों व जनता में आजादी की लौ जलाने में कविताओं

कविता पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

की अपनी एक अलग भूमिका रही है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से आज उसी जज्बे से रूबरू होने का अवसर मिला। इसके लिए उन्होंने साहित्य समिति के सभी सहभागियों को आयोजन के लिए बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को कविता प्रदर्शनी के माध्यम से व्यक्त करने की सोच की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उनके लिए एक अलग अनुभव रहा। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक व कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रदर्शनी को सभी के लिए प्रेरणादायी बताया। विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. चंचल कुमार शर्मा ने कहा कि साहित्य समिति के समन्वयक डॉ. अमित मनोज ने अपनी लेखन कला का जो परिचय दिया है वह प्रशंसनीय है।

प्रदर्शनी में लगी कविताओं को पढ़कर मन में देशभक्ति व देशप्रेम की भावना को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक सद्भाव हमारे देश की आत्मा है, जिसे हम सभी को मिलकर जीवित रखना है और मजबूत बनाना है। साहित्य समिति के समन्वयक डॉ. अमित मनोज ने बताया कि इस पोस्टर प्रदर्शनी में 40 से अधिक पोस्टरों को प्रदर्शित किया गया है, जिनमें रवींद्रनाथ टैगौर, जयशंकर प्रसाद, भारतेंदु हरिश्चंद्र, अल्ताफ हुसैन हाली, सोहन लाल द्विवेदी, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ, सुभद्रा कुमारी चौहान आदि कवियों की रचनाएं प्रमुख हैं। आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के तहत आगामी 15 अगस्त तक चलने वाली इस प्रदर्शनी पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि साहित्य जनभावनाओं की अभिव्यक्ति होता है। स्वाधीनता संग्राम में हमारे रचनाकारों ने अपनी कलम के माध्यम से देश की जनता में जोश भरने का कार्य किया। आजादी की लड़ाई में जिन कविताओं ने अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, उन कविताओं को पोस्टर के रूप में प्रदर्शित करना इस कविता पोस्टर प्रदर्शनी का उद्देश्य है। आठ दिवसीय यह प्रदर्शनी आजादी के अमृत महोत्सव को एक नया आयाम प्रदान करती है। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया। प्रदर्शनी के आयोजन में साहित्य समिति के पदाधिकारी आकाश भारती, हिमांशु, बबली यादव, विकास, मनोज, सेवानंद, नंदनी राठौड़, गोविंद, नितेश सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 10-08-2022**

प्रदर्शनी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आठ दिवसीय कविता और पोस्टर प्रदर्शनी शुरू

आमजन को जागरूक करने में कविता की भूमिका अहम : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग की साहित्य समिति के तत्वावधान में आठ दिवसीय कविता और पोस्टर प्रदर्शनी का शुभारंभ मंगलवार को किया गया।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रहे। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विशिष्ट अतिथि रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आमजन को जागरूक करने में कविता की भूमिका अहम है। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में स्वतंत्रता सेनानियों व जनता में आजादी की लौ जलाने में कविताओं की अपनी एक अलग भूमिका रही है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से आज उसी जज्बे से रूबरू होने का अवसर मिला है। प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि यह उनके लिए एक अलग अनुभव रहा। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रदर्शनी को सभी के लिए प्रेरणादायी बताया। प्रो. चंचल कुमार शर्मा ने कहा कि साहित्य समिति के समन्वयक डॉ. अमित मनोज ने अपनी लेखन कला का जो परिचय दिया है वह प्रशंसनीय है। सांप्रदायिक सद्भाव हमारे देश की आत्मा है, जिसे हम सभी को मिलकर जीवित रखना है और मजबूत बनाना है। साहित्य समिति के समन्वयक डॉ. अमित मनोज ने बताया कि इस पोस्टर प्रदर्शनी में 40 से अधिक पोस्टरों को प्रदर्शित किया गया है।

कविता पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार । संवाद

इसमें रवींद्रनाथ टैगौर, जयशंकर प्रसाद, भारतेंदु हरिश्चंद्र, अल्ताफ हुसैन हाली, सोहन लाल द्विवेदी, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, सुभद्रा कुमारी चौहान की रचनाएं प्रदर्शित की गई हैं। संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया। प्रदर्शनी के आयोजन में साहित्य समिति के पदाधिकारी आकाश भारती, हिमांशु, बबली यादव, विकास, मनोज, सेवानंद, नंदनी राठौड़, गोविंद, नितेश की सक्रिय भागीदारी रही।

हकेंविवि ने बनाया टॉप 20 में स्थान

महेंद्रगढ़। भारत की प्रतिष्ठित आउटलुक-आईसीएआरई वार्षिक रैंकिंग 2022 जारी कर दी गई है। इस रैंकिंग में केंद्रीय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय ने देशभर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 19वां स्थान प्राप्त कर टॉप 20 में अपना स्थाना बनाया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पर हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित सभी सहभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि विश्वविद्यालय शैक्षणिक, नवाचार, शोध व अनुसंधान के मोर्चे पर नित नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि आउटलुक-आईसीएआरई वार्षिक रैंकिंग 2022 में शैक्षणिक व शोध उत्कृष्टता, इंडस्ट्री इंटरफेस, प्लेसमेंट, आधारभूसंरचना, एडमिशन, विविधत, आउटरीच आदि पैरामीटर्स को शामिल किया गया था। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय व दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे देश के टॉप विश्वविद्यालयों के आना वास्तव में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा, नवाचार, शोध व सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहेगा और निरंतर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 10-08-2022**

जागरूक करने में कविता की भूमिका अहम

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में हिंदी विभाग की साहित्य समिति के तत्वावधान में डा. अमित मनोज की आठ दिवसीय कविता पोस्टर प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आमजन को जागरूक करने में कविता की भूमिका अहम है। यह कार्यक्रम आजादी के अमृत महोत्सव में आयोजित सभी कार्यक्रमों से अलग है। स्वाधीनता संग्राम और कविता विषय पर आयोजित इस कविता पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कुलपति ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में स्वतंत्रता सेनानियों व जनता में आजादी की लौ जलाने में कविताओं की अपनी एक अलग भूमिका रही है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से मंगलवार को उसी जज्बे से रूबरू होने का अवसर मिला। इसके लिए उन्होंने साहित्य समिति के सभी सहभागियों को आयोजन के लिए बधाई दी।

पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (नीली जैकेट में) ● प्रवक्ता

विश्वविद्यालय के कुलसचिव व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनील कुमार ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को कविता प्रदर्शनी के माध्यम से व्यक्त करने की सोच की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उनके लिए एक अलग अनुभव रहा। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक व कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रदर्शनी को सभी के लिए प्रेरणादायी बताया। विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. चंचल कुमार शर्मा ने कहा कि साहित्य समिति के समन्वयक डा. अमित मनोज ने अपनी लेखन कला का जो परिचय दिया है वह प्रशंसनीय है। साहित्य समिति के समन्वयक डा. अमित मनोज ने बताया कि प्रदर्शनी में 40 से अधिक पोस्टरों को प्रदर्शित किया गया है, जिनमें रवींद्रनाथ टैगोर, जयशंकर प्रसाद, भारतेंदु हरिश्चंद्र, अल्ताफ हुसैन हाली, सोहन लाल द्विवेदी, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, सुभद्रा कुमारी चौहान आदि कवियों की रचनाएं प्रमुख हैं। स्वाधीनता संग्राम में हमारे रचनाकारों ने अपनी कलम के माध्यम से देश की जनता में जोश भरने का कार्य किया। आठ दिवसीय यह प्रदर्शनी आजादी के अमृत महोत्सव को एक नया आयाम प्रदान करती है।

कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डा. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया। प्रदर्शनी के आयोजन में साहित्य समिति के पदाधिकारी आकाश भारती, हिमांशु, बबली यादव, विकास, मनोज, सेवानंद, नंदनी राठौड़, गोविंद, नितेश सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 10-08-2022**

ह.कें.वि. में आठ दिवसीय कविता पोस्टर प्रदर्शनी की हुई शुरूआत

15 अगस्त तक चलेगी प्रदर्शनी

महेंद्रगढ़, 9 अगस्त (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में हिंदी विभाग की साहित्य समिति के तत्वावधान में अमित मनोज की आठ दिवसीय कविता पोस्टर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।

इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि विश्वविद्यालय के नवाचार एवं उद्भवन केंद्र की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव तथा विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आमजन को जागरूक करने में कविता की भूमिका अहम है। यह कार्यक्रम आजादी के अमृत महोत्सव में आयोजित सभी कार्यक्रमों से अलग है।

ह.कें.वि. में कविता पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

इस कविता पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कुलपति ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में स्वतंत्रता सेनानियों व जनता में आजादी की लौ जलाने में कविताओं की अपनी एक अलग भूमिका रही है।

इस प्रदर्शनी के माध्यम से आज उसी जज्बे से रू-ब-रू होने का अवसर मिला। प्रो. सुनील कुमार ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को कविता प्रदर्शनी के माध्यम से व्यक्त करने की सोच की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उनके लिए एक अलग अनुभव रहा। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्रदर्शनी को सभी के लिए प्रेरणादायी बताया।

विश्वविद्यालय के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ के अधिष्ठाता प्रो. चंचल कुमार शर्मा ने कहा कि साहित्य समिति के समन्वयक डॉ. अमित मनोज ने अपनी लेखन कला का जो परिचय दिया है वह प्रशंसनीय है।

साहित्य समिति के समन्वयक डॉ. अमित मनोज ने बताया कि इस प्रदर्शनी में 40 से अधिक पोस्टरों को प्रदर्शित किया गया है, जिनमें रबींद्रनाथ टैगोर, जयशंकर प्रसाद, भारतेंदु हरिश्चंद्र, अल्ताफ हुसैन हाली, सोहन लाल द्विवेदी, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, सुभद्रा कुमारी चौहान आदि कवियों की रचनाएं प्रमुख हैं।

आठ दिवसीय यह प्रदर्शनी आजादी के अमृत महोत्सव को एक नया आयाम प्रदान करती है। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय ने किया। प्रदर्शनी के आयोजन में साहित्य समिति के पदाधिकारी आकाश भारती, हिमांशु, बबली यादव, विकास, मनोज, सेवानंद, नंदनी राठौड़, गोविंद, नितेश सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी की।